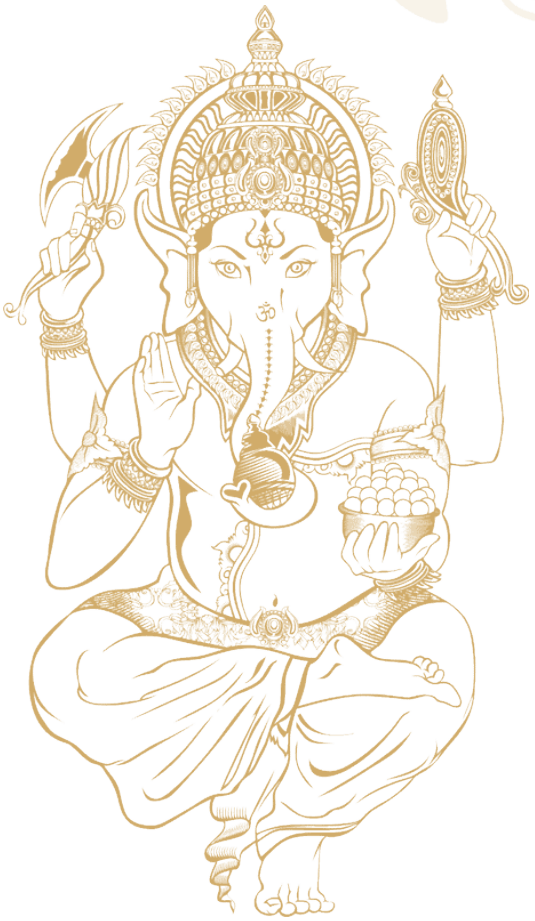

Hb

08 Sep 1966

07:55 PM

Sirsa

Model: web-freekundliweb

Order No: 121359902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**08/09/1966**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**19:55:00 घंटे**
इष्ट	34:21:26 घटी
स्थान	**Sirsa**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:32:00 उत्तर
रेखांश	75:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:29:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:25:16 घंटे
वेलान्तर	00:02:08 घंटे
साम्पातिक काल	18:34:05 घंटे
सूर्योदय	06:10:25 घंटे
सूर्यास्त	18:44:14 घंटे
दिनमान	12:33:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	22:05:33 सिंह
लग्न के अंश	18:51:52 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	सिद्धि
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वो-वोमेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	18:51:52	514:35:20	रेवती	1	27	गुरु	बुध	केतु	---
सूर्य			सिंह	22:05:33	00:58:17	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	स्वराशि
चंद्र			वृष	28:17:07	13:09:43	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल			कर्क	15:29:14	00:37:54	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	नीच राशि
बुध		अ	सिंह	20:30:38	01:54:40	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
गुरु			कर्क	03:26:58	00:10:55	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	उच्च राशि
शुक्र			सिंह	06:08:08	01:14:05	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	03:43:30	00:04:30	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		मेष	24:56:04	00:00:39	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	24:56:04	00:00:39	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
हर्ष			सिंह	26:20:28	00:03:47	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	---
नेप			तुला	26:24:32	00:01:12	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	---
प्लूटो			सिंह	24:45:49	00:02:10	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	---
दशम भाव			धनु	14:26:02	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:23:18

लग्न-चलित

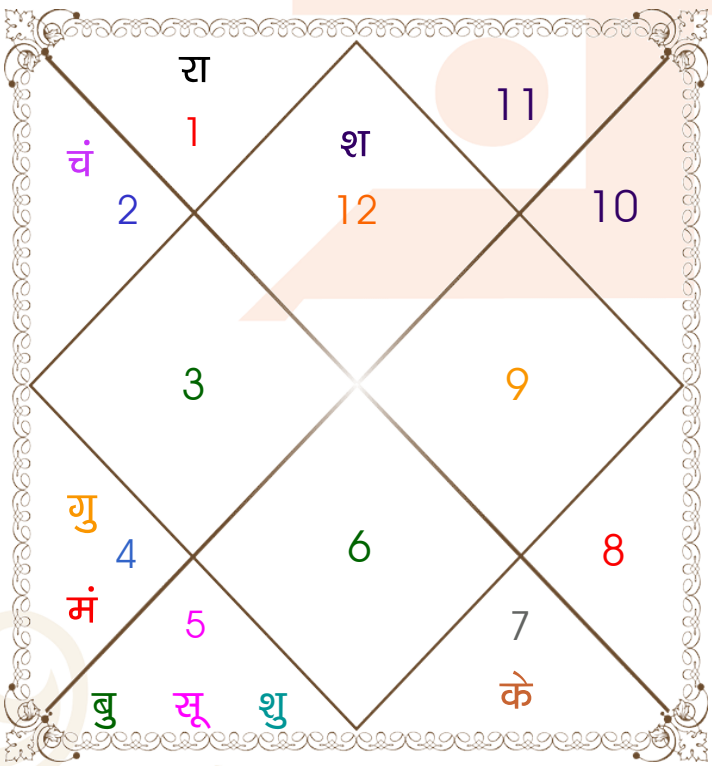

चन्द्र कुंडली

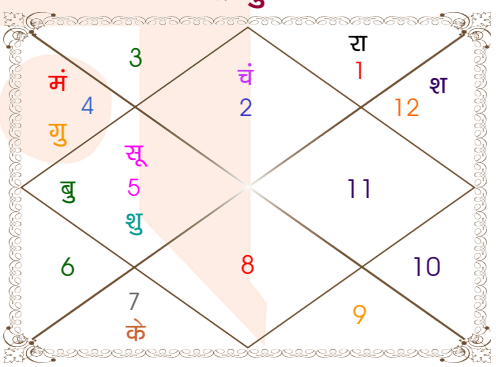

नवमांश कुंडली

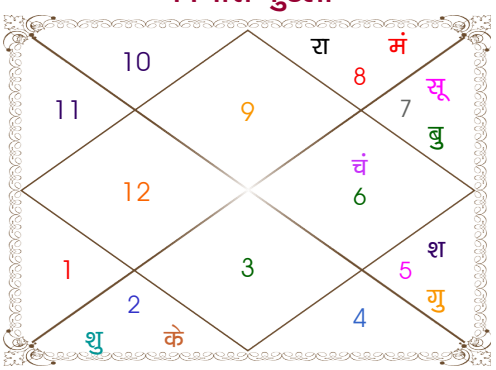

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 4 वर्ष 4 मास 24 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
08/09/1966		01/02/1971		01/02/1989		01/02/2005		02/02/2024	
01/02/1971		01/02/1989		01/02/2005		02/02/2024		01/02/2041	
	00/00/0000	राहु	15/10/1973	गुरु	22/03/1991	शनि	05/02/2008	बुध	30/06/2026
	00/00/0000	गुरु	09/03/1976	शनि	02/10/1993	बुध	15/10/2010	केतु	28/06/2027
	08/09/1966	शनि	14/01/1979	बुध	08/01/1996	केतु	24/11/2011	शुक्र	27/04/2030
शनि	03/08/1967	बुध	03/08/1981	केतु	14/12/1996	शुक्र	23/01/2015	सूर्य	04/03/2031
बुध	30/07/1968	केतु	21/08/1982	शुक्र	15/08/1999	सूर्य	05/01/2016	चंद्र	02/08/2032
केतु	26/12/1968	शुक्र	21/08/1985	सूर्य	02/06/2000	चंद्र	06/08/2017	मंगल	31/07/2033
शुक्र	26/02/1970	सूर्य	16/07/1986	चंद्र	02/10/2001	मंगल	14/09/2018	राहु	17/02/2036
सूर्य	03/07/1970	चंद्र	14/01/1988	मंगल	08/09/2002	राहु	21/07/2021	गुरु	25/05/2038
चंद्र	01/02/1971	मंगल	01/02/1989	राहु	01/02/2005	गुरु	02/02/2024	शनि	01/02/2041

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
01/02/2041		02/02/2048		02/02/2068		01/02/2074		02/02/2084	
02/02/2048		02/02/2068		01/02/2074		02/02/2084		00/00/0000	
केतु	30/06/2041	शुक्र	03/06/2051	सूर्य	21/05/2068	चंद्र	03/12/2074	मंगल	30/06/2084
शुक्र	30/08/2042	सूर्य	02/06/2052	चंद्र	20/11/2068	मंगल	04/07/2075	राहु	18/07/2085
सूर्य	05/01/2043	चंद्र	01/02/2054	मंगल	28/03/2069	राहु	02/01/2077	गुरु	24/06/2086
चंद्र	06/08/2043	मंगल	03/04/2055	राहु	20/02/2070	गुरु	04/05/2078	शनि	08/09/2086
मंगल	02/01/2044	राहु	03/04/2058	गुरु	09/12/2070	शनि	03/12/2079		00/00/0000
राहु	20/01/2045	गुरु	02/12/2060	शनि	21/11/2071	बुध	03/05/2081		00/00/0000
गुरु	27/12/2045	शनि	02/02/2064	बुध	26/09/2072	केतु	02/12/2081		00/00/0000
शनि	05/02/2047	बुध	03/12/2066	केतु	01/02/2073	शुक्र	03/08/2083		00/00/0000
बुध	02/02/2048	केतु	02/02/2068	शुक्र	01/02/2074	सूर्य	02/02/2084		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 4 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय आकृति के अनुरूप आपका जन्म रेवती नक्षत्र के प्रथम चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं कर्क राशीय द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म की शुभ अनुकूलता मात्र प्रत्याशा पूर्वक विश्वास ही नहीं दिलाता है। बल्कि साथ-साथ आपके सांसारिक सुखों को स्वाभाविक रूप से धन लाभ से युक्त करा कर धार्मिक मानचित्र को उन्नतिशील कर रहा है।

मीन राशि आपको ज्ञात कराता है कि इस राशि के प्राणी मोक्ष प्राप्त कर उद्धार हो जाते हैं। आप अत्यंत मर्यादित एवं विश्वसनीय प्राणी है। क्योंकि आपका झुकाव धार्मिक है। आपको संतों की सेवा हेतु उत्सुक कर दिया है। आप सांसारिक सुखों में जिससे आप संबंधित हैं और उस अभिप्रायः में उन्नति कर सकते हैं। यह विषय चिंतनीय एवं निश्चित है कि आप अपने कार्य विषय में सुगमता पूर्वक लक्ष्य तक नहीं जा सकते। क्योंकि मीन राशि द्विस्वाभावात्मक स्वभाव के होते हैं जो आपके चरित्र को दो विपरीत दिशा में विभक्त करता है। आपका एक पक्ष तो यह है कि आपकी अभिरूचि धार्मिक दर्शन के पक्ष में है। अन्य दूसरा पक्ष आपको वासनात्मक प्रवृति की ओर अभिलाषित करता है। अतएव आप स्वच्छंदता पूर्वक यह धारण कर लें कि आपको कौन सा पथ चयन करना है। मिश्रित विचार के कारण दोनों दिशाओं में से कोई भी दिशा न यहां का रहने देगा और नहीं वहां का।

आप इन विचारों से उपर उठकर उत्सुकता पूर्वक सुनिश्चित करें कि क्या आपके घरेलू जीवन में वसना सर्वथा सहायक होगा। भविष्य में आप एक अच्छी पत्नी के पति होंगे तथा आपका एक प्रसन्नतम घर भी होगा। इसकी संपन्नता के संबंध में आपको विचार करना चाहिए कि पारिवारिक सुखद वातावरण के लिए अपनी भागीदारी प्रदान करना है।

आपके संबंध में कुछ और भी लाभ जनक बिंदु यह है कि आप शीघ्रतापूर्वक रूचि कर औपचारिकता यह निभाएं कि अकर्मणयता (नपुंसकता) त्याग कर स्नेहमय वातावरण का निर्णायक आप अन्य लोगों की मदद करें। परंतु आप एकाएक किसी भी विषय को प्रस्तुत नहीं करें। परिस्थिति वश किसी को भी दुःख नहीं पहुंचाएं। आप सामान्य लोगों का अपना प्रिय पात्र बनाएं। अतएव आप ऐसा अनुभव नहीं करे कि अधिक आयु के हो जाने पर आपको अपनी संतान पर निर्भर रहना पड़ेगा। आप अपनी अभिलाषा यह रखें कि अपने संभव कार्य कलाप द्वारा बाद की उसमें खर्च हेतु आय का कुछ अंश को सुरक्षित कर लें। आप इसी प्रकार के कार्य उद्देश्य रखें तथा कुशाग्र बुद्धिमत्ता पूर्वक अच्छी व्यवसाय करें। इसके पश्चात् प्रायः भाग्य आपका पक्षपाती नहीं होगा।

दूसरी दृष्टि से आपकी जन्मपत्रिका में तीन निराशात्मक महत्वपूर्ण बिंदु दृश्य हो रहे हैं जो कि आपकी आयु के 17 वें, 21 वें और 24 वें वर्ष आपके लिए बहुत अधिक अनुकूल प्रमाणित नहीं होंगे अर्थात् जीवन की उपरोक्त संबंधित आयु आपके लिए प्रतिकूल फलदायी होगा। आपके लिए यह अनुग्रहणीय है कि आप इस उम्र में सतर्कता पूर्वक अग्रसर होंवे।

आपके लिए अन्य आवश्यक सुझाव यह है कि आप अपने मित्रों से भी सावधान

रहें। क्योंकि इनका हाव-भाव एक घनिष्ट मित्र के जैसा होगा। जो अविश्वसनीय प्रमाणित होगा। इसलिए आप इनका गहन अध्ययन कर अथवा गंभीरता पूर्वक विचार कर, इनको अपना बनावें।

आपके लिए रंगीन समय तब होगा जबकि आप अपने व्यवहारिक जीवन में रंग गुलाबी, नारंगी एवं पीले रंग के वस्त्रादि का व्यवहार करें। परंतु नीले रंग का परित्याग करें। मात्र नीला रंग आपके हित प्रतिकूल है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक भाग्यशाली है। एवं अंक 8 आपके लिए निश्चित रूप से खराब है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन भाग्यशाली एवं महत्वपूर्ण कार्य हेतु अनुकूल है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के शेष दिन सर्वथा त्याज्यनीय है।